



लेडी और नैरेटिव

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

मैं अलविदा कहकर निकलने ही वाला था कि उसने, अपनी पूँछ के एक आखिरी झटके से, मुझे रोक लिया। “क्या तुम सचमुच मुझे यूँ ही छोड़कर जा रहे हो? अब तुमसे फिर कब मुलाकात होगी? रुको, मुझसे बात करो। तुम्हें इसका अफ़सोस नहीं होगा। यह मैगी का वचन है।”

मेरी छुट्टियों की योजना सीधी-सादी थी। दो दिन। अगली शाम मुझे इटली वापस लौटना था। पर एक बुजुर्ग कुलीन महिला लंदन से मुझे पुकार रही थी, और मैं, आधे खून वाला कालाब्रियाई, यह बहाना नहीं बना सकता था कि मैंने उसे सुना ही नहीं।

“आप चाहती हैं कि मैं आपको कितना समय दूँ?”

उसकी आँखें फैल गईं। एक पल के लिए ऐसा लगा जैसे उसने मुझे ठीक से सुना ही न हो। जैसे उसे कोई ग़लतफ़हमी हो गई हो। पर नहीं। सचमुच यह मैं ही बोल रहा था। और वह, अनुभव से लैस और विचार की पूर्ण स्पष्टता से धन्य एक अंग्रेज़ महिला, इस अवसर को तुरंत पहचान गई। मुस्कुराते हुए उसने जवाब दिया: “पूरी ज़िंदगी।”

दुनिया में कहीं भी जब कोई स्त्री कहती है: “तुम्हें इसका अफ़सोस नहीं होगा,”

तो इसका मतलब है कि उसके पास तुम्हारे लिए पहले से ही एक या कई हैरानियाँ इंतज़ार कर रही हैं। यह वह बात है जो मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी में, अपने बहु-सांस्कृतिक अनुभवों के भीतर सीखी। जिन स्त्रियों से मैं मिला, वे कभी महज़ एक संख्या नहीं थीं। वे बस उस दुनिया का उद्गम थीं, जिससे मैं ताल्लुक रखता था।

मैं अपने होटल लौटकर उन्हें अपनी नई प्रस्थान योजना के बारे में बता दूँगा। मैं उसे पाँच दिन दूँगा। इससे कम मैं भला क्या पेश कर सकता था।

मुझे जाने देने से पहले, हालाँकि, उसने मुझे एक बार फिर रोका और कहा: “जिसे तुम आज माँ कहते हो, वह मेरी सहेली है। हम दोनों एक ही जंग में लड़े थे। नियति ने आखिरकार हमें अलग-अलग राहों पर ले गई, पर हममें से किसी ने भी खुद को भूलने की इजाज़त नहीं दी। सम्मान सच्चा बना रहा। सम्मान परस्पर बना रहा।”

फिर उसने मुझे उस शांत निश्चय के साथ देखा जो किसी ऐसे व्यक्ति में होता है जो पहले ही कई ज़िंदगियाँ जी चुका हो, और धीरे से वे शब्द कह डाले जिन्होंने सब कुछ बदल दिया: “स्वागत है, भांजे।”

फर्दिनांदो फ्रेगा